निर्मल ज्योति

2016

निर्मला कॉन्वेंट गर्ल्स इण्टर कालेज, झाँसी

स्वतंत्रता, न्यायप्रियता, ईमानदारी

जी हां इन तीन सद्गुणों पर आधारित था हमारा पूरा सत्र 2015-16 'एक न्यायी जीवन' विषय को उजागर करती रही नानाविध प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों द्वारा हर पल, हर दिन, हर माह की विभिन्न गतिविधियां। मनन चिन्तन, विचार विमर्श, वाद विवाद, कविता पाठ, निबन्ध एवं नाट्य कला द्वारा, इस मूल्यहीन संसार में कैसे एक अलग ढंग से जिया जाये, यह हमने इस निर्मला परिवार को सिखाया साथ ही इस प्रक्रिया के दौरान हमने स्वयं सीखा। इन गुणों (स्वतंत्रता, न्यायप्रियता व ईमानदारी) की गहराई में जाकर यह जाना कि हमें सच्चे मायने में स्वतंत्र होना है। ईश्वर, दूसरों व स्वयं से सही रिश्ता कायम कर न्यायप्रिय बनना है तथा हमारे शब्दों व कार्यो में पारदर्शिता लाकर ईमानदार बनना है।

प्यारे बच्चों इस पूरे वर्ष में आपके इस सुन्दर साथ की मैं आभारी हूँ। आपने हर क्षेत्र में अपने सर्वोत्तम होने के प्रमाण दिये पढाई में जिला स्तर पर अग्रणी रही श्वेता सिंह (कक्षा 10) बहुतों ने (कक्षा 10 व 12) अपने उच्च प्रतिशत के कारण लैपटॉप व कन्या धन प्राप्त किया, बॉलीबॉल में जिला स्तर पर चैम्पियनशिप, कुंग्फू (जूडो कराटे) में योगिता शाक्या (कक्षा 11) ने दिल्ली जाकर ब्लैक बैल्ट का खिताब प्राप्त किया। सभी पुरस्कारों का मैं वर्णन नही कर सकती। आप सभी मेरी एक बात ध्यान से मानिये, सफलता व असफलता तो जिन्दगी के दो रंग है। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम हर क्षण ईमानदार पाये जायें। ईश्वर की अनुकम्पा तो अपार है उसे प्राप्त करने के हम योग्य पाये जाये। अपने कर्तव्य का पालन जो इस समय आपके लिए पढाई है, सम्पूर्ण निष्ठा से करें। साथ ही महानता के सोपानों को अपनी मंजिल बना लें वे सोपान है। - मन मे विश्वास, आंखों में स्वाभिमान हाथों में मेहनत, पैरों में ही दिशा व दिल में कमजोरों के लिए प्यार दयालु बनो जैसे तुम्हारा पिता ईश्वर हैं।

सि. पूनम सी.जे.

सम्पादकीय

प्रिय अभिभावकगण-

संघर्ष अनेक थे राहों में, पर कदमों को न रूकने दिया।
था यकीं खुद पर कि मंजिलें, चूमेंगी कदम एक दिन ॥

जीवन चलने का नाम है। जो रूक गया वह थम गया। प्रवाहमान जल शुद्ध होता है। रूका हुआ जल अशुद्ध हो जाता है। आज की इस तेज रफ्तार ज़िन्दगी में हमें कदम से कदम मिलाकर दौड़ना है। यदि हम थोडा़ भी रूक गए तो हम बहुत पीछे रह जाएंगे। समय तेजी से बदल रहा है। आवश्यकताएं बदल रही हैं। जीवन मूल्यों में भी परिवर्तन आया है। परिवर्तनों एवं नव्यताओं को हम हमेशा संदेह की दृष्टि से देखते हैं। यह सही नहीं है। हमें अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाना होगा। आज के बच्चे किसी भी बात को तार्किक दृष्टिकोण से परखने के बाद ही ग्रहण करते हैं। पुरानी मान्यताओं व आदर्शों को वे आँख बंद करके स्वीकार नहीं करते। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए हमें उनके समक्ष अपने आदर्श प्रस्तुत करने होंगे।

निर्मला कॉन्वेन्ट की यही विशेषता रही है कि वह इस अनवरत यात्रा में समय के साथ- साथ आगे बढ़ रहा है। हमने नवीन शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से अपनाया है। समय समय पर पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों से हम बच्चों में अधिकाधिक जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारा विद्यालय मदर मेरी वार्ड द्वारा स्थापित संस्था येसुसंघ द्वारा संचालित है। इस वर्ष संस्था एक थीम को लेकर अपनी समस्त कार्य प्रणाली को सम्पादित कर रही है। वह थीम है ''एक न्यायी जीवन''

हमने अपने विद्यालय में न्यायी जीवन और उसके तीनों तत्वों, स्वतन्त्रता, न्यायप्रियता एवं ईमानदारी को सर्वोच्च स्थान दिया है। हम विद्यालय में वर्गभेद ,जातिभेद से परे एक ऐसे वातावरण का सृजन करते हैं, जिसमें हमारे बच्चे खुलकर सांस ले सकें तथा अपना सर्वांगीण विकास कर सकें। अपने लक्ष्य की प्राप्ति में हमें आपका सहयोग वांछनीय है। आइए आप और हम मिलकर उस अनुपम एवं अद्वितीय समाज का निर्माण करें जहां पर सब समान हों, सबको विकास के समान अवसर मिल सकें। इसी आशा के साथ हम पत्रिका का नवीन अंक आपके हाथों में समर्पित करते हैं। जहां एक ओर पत्रिका में संकलित हैं हमारी पाठ्य सहगामी गतिविधियों का विवरण वहीं प्रकाशित हैं हमारे बच्चों की लेखनी के कुछ अनगढ़ प्रयास। आशा है आपको हमारी पत्रिका अवश्य पसंद आएगी।

शुभकामनाओं सहित

श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, सम्पादक

सम्पादक समिति के सदस्य

सदस्य शिक्षक–शिक्षिकाएं

श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव
हिन्दी प्रवक्ता

श्रीमती क्लारा ब्राउन
(सहायक अध्यापिका)

आनन्द एडवर्ड
(सहायक अध्यापक)

सदस्य छात्र–छात्राएं

कु० पलक सिंह
कक्षा 5 ए

कु० प्रतिष्ठा अग्निहोत्री
कक्षा 12 सी

कु० आशी जैन
कक्षा 12 बी

हमारे विद्यालय प्रबन्धन में सहयोग देने के लिये तीन Coordinators नियुक्त किये गये हैं

सीनियर स्कूल – श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव
जूनियर स्कूल – श्रीमती लूसी ब्रिगैन्जा
प्राईमरी स्कूल – श्रीमती रेनू रॉबर्ट

जमीं के तारे

श्रीमती लूसी ब्रिगैन्जा

आसमां के तारों की सुन्दरता दूर से देखने पर अच्छी लगती है। पर 'जमी के तारो' की सुन्दरता, उनके नजदीक रहकर ही मिलती है। 'जमीं के तारों' वे मासूम बच्चे जिन्हें ये भी नहीं पता होता है कि सामाजिक जीवन क्या है और उसे कैसे जीना होगा? माता–पिता की उंगली पकड़ कर खुशी–खुशी विद्यालय रूपी आकाश–गंगा में प्रवेश कर लेते हैं और माता–पिता इस विश्वास पर शिक्षक/शिक्षिका को समर्पित कर देते हैं कि मेरे तारे (बच्चे) में सामाजिक जीवन की चमक रोशन होगी। अब यहाँ यह प्रश्न उठता है कि क्या, यह चमक हम शिक्षक/शिक्षिकाएं इन जमीं के तारों को दे पाते हैं? कितना और कैसे? जमीं के इन तारों की चमक को निखारने के लिए एक सच्चे शिक्षक की आवश्यकता होती है और सच्चा शिक्षक वही है जो सम्मान और पुरूस्कार की लालसा किये बिना इन 'जमीं के तारों' के बीच निःस्वार्थ भाव से शिक्षा का आदान–प्रदान करता है। दस शिक्षक/शिक्षिका में एक–एक तारे की चमक को निखारने की रंगत दिखती है। वह अपना सारा अनुभव और ज्ञान देना जानता है तथा समय के साथ वह परिवर्तनशील है।

उनकी इस सक्रियता में अभिभावकों का सहयोग भी अति आवश्यक है। अभिभावक–शिक्षक मिल कर इन जमीं के तारों में वो चमक पैदा कर सकते हैं। कि आसमां के तारों की चमक, इन 'जमीं के तारों' की चमक के आगे फीकी रह जायेगी।

छात्रा का पूर्ण विकास

रेणू रॉबर्ट

शिक्षा अंधेरे से उजाले की ओर जाने का एक सशक्त माध्यम है। किन्तु आजकल शिक्षा देने में सेवा का अभाव होने के कारण हम समाज को 100 प्रतिशत पाने वाला विद्यार्थी तो दे रहे हैं। किन्तु एक संस्कारी, गुणवान तथा ईमानदार विद्यार्थी नहीं दे पा रहे हैं। हमें गर्व है कि जिस संस्था में हम कार्य कर रहे है, वो संस्था पूर्ण रूप से अपने कार्य के प्रति समर्पित है।

शिक्षा + सेवा + संस्कार = छात्रा का पूर्ण विकास

सद्गुणों को प्रणाम

धन्य हैं वे लोग जो न्याय प्रिय हैं,
धन्य हैं वे लोग जो स्वतन्त्र हैं,
धन्य हैं वे लोग जो ईमानदार हैं,
क्यों कि इन सद्गुणों के बिना
जीवन में कुछ भी नहीं।
ईमानदारी मनुष्य को बनाए महान,
आओ सब मिल इसको करें प्रणाम।
न्याय बिना जीवन में कुछ भी नहीं,
न्याय बिना जीवन में सुख ही नहीं,
जो मनुष्य न करे दूसरों से न्याय,
वह नर के रूप में पशु है निरा।
स्वतन्त्र है हर मनुष्य के प्राण,
स्वतन्त्र है हर पशु पक्षी की जान।
जो हैं परतन्त्र वे चाहें होना स्वतन्त्र।
स्वतन्त्र हैं हम केवल करने के लिए अच्छे काम,
क्योंकि इन्ही गुणों से हम बनेंगे महान।
आओ मिलकर करें हम इन गुणों को प्रणाम!!

श्वेता अनुरागी
12 सी

ओ जाने वाले हो सके तो.....

सि॰ रेचल 27 जून 2012 को सेंट फ्रांसिस कॉन्वेंट से हमारे विद्यालय में आईं थीं। वे तीन वर्ष हमारे मध्य रहीं किन्तु इतनी अल्प अवधि में ही उन्होंने अपने व्यवहार से सबको अपना बना लिया। वे प्राइमरी कक्षाओं की इन्चार्ज थीं, अतः उन बच्चों का उनसे विशेष स्नेह रहा। उनका स्थानान्तरण दिल्ली के लिए हो गया। दिनाँक 7–4–15 को उन्हे सभी टीचर्स व बच्चों ने भावभीनी विदाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की।

स्वागतम्

सि॰ ज्योतिका का शुभागमन – सि॰ ज्योतिका का नए सत्र में दिनाँक 7–4–15 को स्वागत किया गया। सि॰ ज्योतिका काठमांडू नेपाल से हमारे मध्य आई हैं। सि॰ पूनम ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि बच्चे उन्हे इतना प्यार दें कि वे काठमांडू को भुला सकें। बच्चों ने प्रार्थनाओं, गीत व फूलों द्वारा सि॰ ज्योतिका का स्वागत किया।

उत्तरदायित्व का बोध

दिनाँक 30 अप्रैल 2015 की प्रातः बेला में हमारे विद्यालय निर्मला कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। हमारे कॉलेज की प्रधानाचार्या सि॰ पूनम, प्रबन्धिका सि॰ मेरी, श्री भारत सिंह गौर एवं मुख्य अतिथि फादर फैड्रिक मेन्डोंसा ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। चारों दलों के कप्तानों, उप कप्तानों, अन्य पाठ्य सहगामी गतिविधियों के लिए चयनित कप्तानों नें विद्यालय को पूर्ण निष्ठा ईमानदारी व न्यायप्रियता के साथ ऊँचा उठाने की शपथ ली। छात्राओं को ध्वज, सैश, एवं बैच प्रदान किये गए। कप्तानों के अभिभावकों को कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया गया ।

मुख्य अतिथि फादर फ्रेडरिक मैन्डोन्सा ने छात्राओं को सम्बोधित किया तथा छात्राओं के अभिभावकों को सलाह दी कि छात्राओं से मित्रवत व्यवहार करें। छात्र–छात्राओं में बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति पर उन्होंने चिन्ता जताते हुए समाधान भी प्रस्तुत किए।

इसके पश्चात् सि॰ पूनम ने प्रोजेक्टर पर एक पावर पॉइंट क्लिप के माध्यम से उपस्थित अतिथियों के समक्ष हमारे विद्यालय की गतिविधियों को एवं अन्य कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री जितेन्द्र तिवारी जो कि जिला जन कल्याण महासमिति के संचालक हैं, ने कप्तानों व उप कप्तानों को बधाई देते हुए अपने जागरूकता अभियान से अवगत कराया।

हेडगर्ल रश्मि सिंह ने सभी कप्तानों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्या जी एवं अध्यापक अध्यापिकाओं को धन्यवाद दिया।

चयनित छात्रा प्रतिनिधियों के नाम

हेड गर्ल	–	रश्मि सिंह
वाइस हेड गर्ल	–	सोनाली सिंह
लाल दल कप्तान	–	श्रुति सिंह गौर
लालदल उपकप्तान	–	प्रेरणा जैन
नीला दल कप्तान	–	सैफी आलम
नीला दल उप कप्तान	–	साहिबा बानो
हरा दल कप्तान	–	पूजा जौहरी
हरा दल उप कप्तान	–	दीक्षा कुशवाहा
पीला दल कप्तान	–	चाँदनी
पीला दल उप कप्तान	–	प्रिया ठाकुर
खेल कप्तान	–	शिवानी सूर्येश
खेल उप कप्तान	–	दीपांशी गुप्ता
अनुशासन कप्तान	–	मिली माहौर
अनुशासन उप कप्तान	–	प्रिया तिवारी
पत्रिका सम्पादक	–	आशी जैन प्रतिष्ठा अग्निहोत्री

तारे जमीं पर

जी हाँ यही शीर्षक मिला है प्राइमरी की छात्राओं को, तारों के समान इन छात्राओं ने वर्ष भर अपनी प्रतिभा की रोशनी से विद्यालय को जगमगाया।

दिनांक 9–5–15 को शपथ ग्रहण समारोह में कप्तान और उपकप्तान का चुनाव हुआ। निर्वाचित छात्राओं ने अपनी अपनी जिम्मेदारियों की शपथ ली। इन कप्तानों के नाम इस प्रकार से हैं–

हैड गर्ल	–	इरम खान
वाइस हैड गर्ल	–	प्रिया शर्मा
लाल दल कप्तान	–	नैना यादव
लाल दल उप कप्तान	–	कशिश कुशवाहा
पीला दल कप्तान	–	प्रिया सिंह
पीला दल उप कप्तान	–	इरम सिद्दीकी
हरा दल कप्तान	–	प्रियंका वर्मा
हरा दल उप कप्तान	–	रिशिका शाक्या
नीला दल कप्तान	–	रिवा परवीन
नीला दल उप कप्तान	–	कसक दिवाकर
पत्रिका सचिव	–	पलक सिंह
अनुशासन कप्तान	–	निधि राव

24–4–15 को हुई हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता व 9–1–16 को हुई अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह से भाग लेकर सुन्दर लेखों द्वारा सबका मन मोह लिया।

प्रत्येक कक्षा में लगे बुलेटिन बोर्ड को वर्ष भर छात्राओं ने पर्व एवं राष्ट्रीय पर्व के अनुसार सजाकर अपनी रचनात्मकता का सुन्दर प्रदर्शन किया। छात्राओं का प्रयास प्रशंसनीय रहा।

छात्राओं में नैतिक मूल्यों का विकास हो इस उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को कक्षानुसार प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में एक शिक्षाप्रद नाटक का प्रदर्शन किया गया। जिसमें प्रबंधिका सि॰ मेरी, सि॰ ज्योतिका, सि॰ नैन्सी व वरिष्ठ अध्यापिका रीना चक्रवर्ती ने छात्राओं को बधाई दी व पुरूस्कृत किया।

श्रमेव जयते

1 मई को समस्त विश्व के साथ साथ हमारे विद्यालय में भी श्रमिक दिवस मनाया गया। प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में सभी सहयोगी कर्मचारी आमंत्रित किए गए। छात्राओं ने तिलक व पुष्पों से उनका स्वागत किया। प्रार्थना तथा निवेदनों द्वारा उनके उज्ज्वल जीवन हेतु प्रार्थना की गई। कार्यक्रम का विशिष्ट आकर्षण रही सामान्य ज्ञान क्विज जिसमें नीलम गुप्ता मिस ने सहकर्मियों से मनोरंजक प्रश्न पूछे तथा पुरूस्कार भी दिए गए। छात्राओं की ओर से भी सभी कर्मियों को उपहार भेंट किए गए। श्रीमती ज्ञानबाई तथा श्रीमती उर्मिला ने विशेष अनुरोध पर गीत भी सुनाए। "जीवन से न हार जीने वाले" गीत के साथ एवं सि॰ पूनम के मधुर वचनों द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ।

न्याय मांगती हमारी धरती

25–04–15 को हिन्दी विभाग द्वारा कक्षा 9 से कक्षा 12 तक की छात्राओं के लिए एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज हमारी पृथ्वी प्रदूषण, अत्याचार, आतंक के बोझ से दबी त्राहि–त्राहि कर रही है। इन्ही कारणों को ध्यान में रखते हुए निबन्ध का विषय दिया गया था– "न्याय मांगती हमारी धरती"। छात्राओं ने बड़ी सुंदरता से अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा –

प्रथम –तस्कीन अख्तर 10c, ***द्वितीय–मुस्कान खान*** 11c, ***तृतीय–आकाँक्षा मिश्रा*** 12b

पुरूस्कृत निबन्ध

आज मानव अपनी धरती को प्रदूषित कर रहा है। प्रकृति के सौंदर्य का तिरस्कार कर रहा है, संसाधनों को लोभ वश क्षति पहुँचा रहा है। उद्योग धन्धों के लिए वनों की निरन्तर कटाई हो रही है। वृक्षों के अभाव से वर्षा में भी कमी आती जा रही है। वर्षा न होने से फसलें बर्बाद हो रही हैं तथा कृषक आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। दिनों दिन निर्धनता का विस्तार होता जा रहा है।

हम स्वयं तो स्वच्छ रहते हैं किन्तु आस पास की स्वच्छता का ध्यान नहीं रखते। पृथ्वी को नुकसान पहुँचाने वाले अवशिष्ट पदार्थ भी हम उसमें डाल देते हैं। यह तो हमारी धरती के साथ बड़ा अन्याय है।

धरती को हम केवल प्रदूषण द्वारा ही क्षति नहीं पहुँचाते बल्कि उसको टुकड़ों में बांट कर भी हम उसको चोट पहुँचाते हैं। ईश्वर ने एक सुंदर धरती का निर्माण किया था। मानव ने उसे टुकड़ों–टुकड़ों में बाँट दिया। यह मेरा देश, यह तेरा देश, यह धरती हमारी, यह धरती तुम्हारी, इस तरह की न जाने कितनी ही द्वेष भावनाएं हमारे मन में पल रही हैं। क्या यह धरती माँ के साथ अन्याय नहीं है कि उसकी सन्तानें आपस में बैर भाव रखें?

हमारी धरती हमसे इन्साफ की भीख माँग रही है। वह अपने बच्चों को प्रेम पूर्वक रहते हुए देखना चाहती है। हमें अपने अन्दर सुधार लाने के लिए बहुत प्रयत्न करना होगा।

हमारे विद्यालय निर्मला कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की इस वर्ष की थीम है– "एक न्यायी जीवन"। प्रत्येक छात्रा को न्यायी जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया है। न्यायी जीवन का पहला व ठोस कदम अपनी धरती को न्याय दिलाने के लिए उठाया जाएगा। धरती को न्याय मिलेगा तो हर धरती निवासी को न्याय मिल जाएगा।

अन्त में मैं यही कहना चाहती हूँ कि यदि धरती माँ का प्रत्येक सुपुत्र यह संकल्प लें कि वह जीवन भर इस धरती की सुरक्षा व स्वच्छता का ध्यान रखेगा तो वास्तव में यह धरती स्वर्ग बन जाएगी।

चुटकुले

बीमा वालों का फोन आया और मुझसे कहा आप हजार रू. हर महीने भरते रहो आपकी मृत्यु के बाद आपके परिवार को एक करोड़ रू॰ दिए जाएंगे। मैने कहा प्लान थोड़ा चेंज है, अभी मेरे परिवार को एक करोड़ रू॰ दे दो फिर हर महीने एक हजार रू॰ मुझसे लेते रहना। बीमा वालों ने फोन काट दिया। क्या मैने कुछ गलत कह दिया ?

पति फोन पर– आज रात खाने में क्या बना रही हो?
पत्नी–चिली पनीर, मंचूरियन, मटर पनीर, पनीर बटर मसाला, भिन्डी मसाला, दाल फ्राई, दो तरह की पूड़ी, तीन तरह की स्वीट डिश और चार तरह के सलाद।
पति–खाना बना रही हो या बेवकूफ बना रही हो?

वर्षा मिश्रा 11बी

प्रेरणाप्रद दिन

'पढ़ाई पर ध्यान दो', 'कक्षा में ध्यान दो' 'काम पर ध्यान दो' ये वे वाक्य हैं जिन्हे हम प्रायः हर रोज बच्चों से कहते हैं। हम बच्चों को यह नहीं बताते कि यह ध्यान है क्या, इसे पढ़ाई में कैसे लगाया जाता है? इसी ध्यान विषय पर केन्द्रित था टीचर्स सेमिनार जो 30 जून को सम्पन्न हुआ। दिल्ली से आए फ्रॉन्सिस्कन सोल्यूशन कम्पनी के C.E.O. श्री राजीव फ्रॉन्सिस ने अपने प्रभावशाली वक्तव्यों द्वारा टीचर्स को प्रेरित किया। यह भी बताया कि एक साधारण छात्र से एक कम्पनी के ओनर तक का सफर उन्होंने कैसे तय किया। सफलता प्राप्ति का क्या मापदण्ड है? सफलता कैसे प्राप्त करें? खुशी कब और कैसे मिलती है? इन सब प्रश्नों पर विचार किया। टीचर्स के विशेष अनुरोध पर श्री राजीव ने अपनी मधुर आवाज में भक्ति गीत ''गाए मेरा मन प्रभु गुण गान'' सुनाया। सम्वेत स्वर में गाए गए गीत ''इतनी शक्ति हमें देना दाता'' के साथ कार्यक्रम का अन्त किया गया। प्रधानाचार्या सि॰ पूनम एवं श्रीमती संध्या वाल्टर ने श्री राजीव का आभार व्यक्त किया।

01 जुलाई 2015 ,ग्रीष्म कालीन अवकाश के बाद हमारे विद्यालय का पहला दिन, जिसकी सुबह सभी छात्राओं के लिए बहुत ही आशापूर्ण एवं ऊर्जावान थी। हमारी प्रधानाचार्या सि॰ पूनम ने कक्षा 10, 11 व 12 के लिए एक सेमिनार आयोजित करके हम विद्यार्थियों के लिए इस दिन को सफल बना दिया।

यह सेमिनार दिल्ली से आए हुए श्री राजीव फ्रान्सिस सर द्वारा संचालित किया गया, जो 5 घण्टे चला। इन पाँच घण्टों में मानो उन्होंने हमें, हमारे पूरे भविष्य को सफल बनाने की दिशा बता दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी जीवन का पहला चरण ''ध्यान'' है। जब सिर्फ ध्यान लगाकर एक साधु अपने शरीर को हवा में उठा सकता है तो हम विद्यार्थी थोड़ा ध्यान लगाकर अध्ययन करके अपने भविष्य को उज्ज्वल क्यों नहीं बना सकते?

सैफी आलम
12 C

विद्यार्थी जीवन का दूसरा चरण सफलता हैं। राजीव सर ने बताया कि कैसे बिल गेट्स, अंबानी आदि सफल व्यक्तियों ने कदम–कदम चलकर धीरे–धीरे अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। सर ने स्वयं अपने जीवन की उपलब्धियों के विषय में बताया। ''इतनी शक्ति हमें देना दाता'' गीत द्वारा सेमिनार का समापन हुआ।

Student of the year AWARDS

जीवन बीमा निगम के प्रबंधक श्री सुदेश पाण्डे जी ने बच्चों से कहा कि आगे बढ़ना है तो लक्ष्य सुनिश्चित करना होगा और कठिन परिश्रम व अथक प्रयासों से ही वह प्राप्त होगा। एल॰आई॰सी॰ द्वारा हमारे विद्यालय को विशेष रूप से अवार्ड देने के लिए चुना गया। प्रत्येक कक्षा में प्रथम आने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र व मोमेंटो प्रदान किए गए।

"हमें तुम पर गर्व है"

श्वेता ने किया विद्यालय का नाम रौशन

18 मई 2015 के समाचार पत्रों की हेड लाइन्स में निर्मला कॉन्वेंट का नाम चमक रहा था साथ ही चमक रहा था श्वेता सिंह का नाम जिसने जिले में टॉप करके विद्याालय का नाम रौशन किया था। हमारी उत्तर प्रदेश सरकार वास्तव में बधाई की पात्र है जिसने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न पुरूस्कारों की झड़ी लगा दी है। इसी सिलसिले में दिनाक 01.07. 2015 को लखनऊ में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें हमारे विद्यालय की श्वेता सिंह को भी आमंत्रित किया गया। हमारी प्रधानाचार्या जी ने श्चेता के साथ मुझे जाने का सुअवसर प्रदान किया ।

लखनऊ में सभी जिलों के मेधाची छात्र–छात्राएं एकत्रित हुए। माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश कूमार यादव के कर कमलों द्वारा सभी छात्र–छात्राओं को मेडल, प्रमाणपत्र व एक–एक साइकिल भेंट की गई। वहां सभी बच्चों के चेहरों पर उत्साह एव चमक दिखाई दे रही थी। बच्चों से भी ज्यादा उत्साहित उनके साथ आए शिक्षक एवं अभिभावक थे। परिश्रम का फल हमेशा सुखद होता है। जब बच्चों को सफलता मिलती है तब उनकी अपनी एक अलग पहचान बनती है। बच्चों की सफलता से विद्यालय एवं अभिभावक गौरवान्वित अनुभव करते हैं।

उत्तर प्रदेश में प्रज्ञा पुरूस्कृत

सरकार की अभूतपूर्व पहल

उत्तर प्रदेश में शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए सरकार अनेक प्रयास कर रही हैं। इसी कार्य योजना के तहत दिनाँक 01 जुलाई 2015 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी के झाँसी आगमन पर मेधावी छात्राओं को लेपटॉप वितरित किए गए। हमारे विद्यालय में सन् 2014 में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली 13 छात्राओं को यह सम्मान मिला। इन छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं– अम्बिका जायसवाल, प्रतिष्ठा अग्निहोत्री, आशी जैन (हाईस्कूल) एवं इण्टर की छात्राओं में राधिका एडवाल, उमा नेक्या, आकांक्षा झारिया, अलका यादव, अंजलि राय, रोशनी, आरजू परवीन, वैशाली मिश्रा, रोशन जहाँ, तथा काजल शाक्या। यह कार्यक्रम सीनियर इन्स्ट्रीटयूट में हुआ।

योगिता बनीं मार्शल आर्ट चैंपियन

हमारे विद्यालय की कक्षा 11 अ की छात्रा योगिता शाक्या विगत दो वर्षों से डॉन बास्को जीत कुनेडो स्पोर्ट्स अकादमी में मार्शल आर्ट सीख रही हैं। नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित समारोह में संस्था को नेशनल चैंपियनशिप प्राप्त हुई। 2014 के नेशनल चैंपियनशिप में योगिता को सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। 2014 के डिस्ट्रिक्ट किक बॉक्सिंग में गोल्ड तथा 2015 नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल के साथ ब्लैक बेल्ट प्रतियोगिता में विशिष्ट ट्रॉफी भी प्रदान की गई।

क्या है मार्शल आर्ट–

मार्शल आर्ट का तात्पर्य है आत्म रक्षा के लिए युद्ध करना। ऐसा माना जाता है कि मार्शल आर्ट का उद्भव दक्षिण पश्चिमी भारत की पारंपरिक कला कलरीपयट्टू से हुआ है। इस कला का प्रशिक्षण बौद्ध भिक्षुओं को जंगली जानवरों से बचाव के लिए दिया जाता था। इस कला को उन्होंने चीन से लेकर जापान तक फैलाया। यह कला आत्मबल, मनोबल, शारीरिक बल का मिश्रित रूप है। इस को चीन में कुंगफू, जापान में कराटे, कोरिया में ताइक्वांडो, थाईलैंड में थाई बॉक्सिंग, और बर्मा में जूडो नाम से जाना जाता है। आज के युग में जब महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं, उन की सुरक्षा एक अहम् सवाल बन गई है। ऐसे माहौल में यदि लड़कियां मार्शल आर्ट सीखें तो वे आत्मरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

स्वयं प्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती

हिमाद्रि तुंग श्रंग से, बुद्ध शुद्ध भारती
स्वयं प्रभा समुज्ज्वला, स्वतंत्रता पुकारती।

दिनांक 14.8.15 को हमारे विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व वेला में नव नियुक्त जिला विद्यालय निरीक्षक श्री नीरज पान्डेय के मुख्य आतिथ्य में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्यालय की जूनियर सीनियर एवं प्राइमरी की छात्राओं नें अपने दल की कमान सम्भालते हुए शानदार परेड का प्रदर्शन किया। तत्पश्चात् देशभक्ति पर आधारित सुन्दर नृत्य व गीतों का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के समापन पर श्री नीरज पाण्डेय सर ने मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि "देश प्रेम की प्रथम पाठशाला स्कूल ही होते हैं। बच्चों में जैसी बुनियाद डाल दी जाए वही आगे बढ़ती जाती है। निर्मला कान्वेन्ट शिक्षा के क्षेत्र में तो कीर्तिमान स्थापित कर ही रहा है, साथ ही साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास में भी पूरी लगन व निष्ठा से कार्य कर रहा है। इसके लिए विद्यालय प्रशासन व प्रधानाचार्य बधाई के पात्र हैं।"

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या सि॰ पूनम ने सबको स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा प्रबंधक सि॰ मेरी ने आभार व्यक्त किया।

गुरु गोविन्द दोउ खड़े.....

शिक्षक दिवस पर बच्चों ने अपने स्नेह पूर्ण कार्यक्रम से दिखा दिया कि वे अपने शिक्षक–शिक्षिकाओं से कितना प्रेम करते हैं। इस दिन के प्रमुख आकर्षण थे छात्राओं व टीचर्स के बीच रस्साखींच व बॉलीबॉल मैच। रस्साखींच में बच्चों ने जीत कर दिखा दिया कि वे अपने शिक्षकों से किसी भी प्रकार कम नहीं हैं। बॉलीबॉल में सि॰ पूनम और सि॰ ज्योतिका की टीम के मध्य घमासान हुआ। रोचक खेल की विजय सि॰ पूनम की टीम के पक्ष में रही। शिक्षकों व छात्राओं के मध्य हुए मैच में भी छात्राओं ने बाजी मार ली। छात्राओं ने बड़े स्नेह से सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को शुभ कामनाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम के अन्त में श्रीमती रीना चक्रवर्ती ने प्रेरणाप्रद वचनों द्वारा छात्राओं को सन्देश दिया।

भारतीय सुरक्षा सेवाओं में बालिकाओं का भविष्य

24.09.2015 को विद्यालय में Career Guidance के रूप में एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें झांसी क्षेत्र से सेना में चयनित कैप्टेन ग्रेगरी ने आकर अपने अनुभवों को छात्राओं से बांटा। कक्षा 10, 11, 12 की छात्राओं ने श्री ग्रेगरी के समक्ष अपनी जिज्ञासाएं रखीं एवं सेना में भविष्य बनाने के विषय में जानकारी हासिल की। कैप्टेन ग्रेगरी ने लक्ष्य प्राप्ति के तरीके समझाए। उन्होंने सैनिक जीवन की विषमताओं एवं चुनौतियों के विषय में भी बताया। अनेक छात्राओं ने सेना में भर्ती होने का संकल्प लिया।

प्रतिष्ठा अग्निहोत्री, **12 C**

चुटकुले

- टीचर–दुनिया का सबसे पुराना जानवर कौन सा है?
  छात्र–जेब्रा
  टीचर–वो कैसे?
  छात्र–क्योंकि वह ब्लैक एण्ड व्हाइट है।

- राजीव–सब लोग क्यों भाग रहे हैं?
  संजीव– ये रेस हो रही है, जो जीतेगा उसे ईनाम मिलेगा।
  संजीव– अरे यार जीतने वाले को इनाम मिलेगा तो सब लोग क्यों भाग रहे हैं?

- विनोद– मेरा बेटा रात भर बुक के सामने बैठा रहता है।
  राजेश– फिर वह फेल क्यों हुआ?
  विनोद– वह बुक फेस बुक थी इसलिए।

आयुषी

वे वादियाँ हमें बुला रही हैं.....

रश्मि सिंह, **12 C**

दिनांक 25.06.15 को नैनीताल के निकट सुरम्य वादियों में स्थित ज्योलीकोट में सी॰ जे॰ फेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें सभी सी॰ जे॰ संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस फेस्ट के लिए हमारे विद्यालय की छह छात्राओं का चयन किया गया।

कविता मिस के साथ जैसे ही हम लोग ज्योलीकोट पहुँचे हमारा सभी सिस्टर्स ने स्वागत किया। सेमिनार में फादर जॉनसन ने अपने सुन्दर विचारों से हमें प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने लक्ष्य का चुनाव किसी के दबाव में आकर नहीं करना चाहिए। ईश्वर हमेशा सौ प्रतिशत सही चीजों का निर्माण करता है। हम ईश्वर की रचना हैं इसलिए हम भी सौ प्रतिशत सही हैं। आवश्यकता है अपने अन्दर छुपे हुए गुणों को पहचानने की ।

सेमिनार के उपरान्त हमें नैनीताल घूमने का अवसर मिला। इस पूरी यात्रा में कविता मिस ने हमारा पूरा ध्यान रखा जिसके लिए हम उन्हे हृदय से धन्यवाद देते हैं। उन खूबसूरत वादियों से लौट आने का मन तो नहीं कर रहा था फिर भी हम अपने साथ सुन्दर अनुभवों एवं अविस्मरणीय यादों को लेकर 28.06.15.को वापस आ गए।

और भी हैं राहें....

प्रतिष्ठा अग्निहोत्री, **12 C**

इण्टर की परीक्षा देने जा रही छात्राओं के सामने यह एक अहम् सवाल होता है कि इसके बाद वे क्या करेंगी। इस समय उन्हे जरूरत होती है सही मार्गदर्शन की। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए दिनांक 17–12–15 को विद्यालय में Cognitio Group द्वारा करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। आई॰आई॰टी॰ कानपुर से शिक्षा प्राप्त कर चुके एनालिस्ट ईशान गुप्ता ने विशेष रूप से विज्ञान वर्ग की छात्राओं के लिए भविष्य की विभिन्न सम्भावनाओं के विषय में जानकारी दी। चिकित्सा सेवाओं एवं सुरक्षासेवाओं के विषय में भी बताया गया। अंत में हेड गर्ल रश्मि सिंह ने ग्रुप का आभार व्यक्त किया।

SAVE YOUR STEM CELL : SAVE YOUR FUTURE

आज से कुछ वर्ष पूर्व किसी व्यक्ति ने यह विचार नहीं किया होगा कि भौतिक वस्तुओं का बीमा करवाने के साथ साथ जैविक वस्तुओं का भी बीता करवाने लग जाएंगे। जैसे बैंक में रखी स्टेम सेल के द्वारा हम अपना और अपने परिवार का जीवन बचा सकते हैं। स्टेम कोशिका ऐसी कोशिका होती है, जिनमें शरीर के किसी भी अंग को कोशिका के रूप में विकसित करने की क्षमता होती है। स्टेम कोशिकाओं को 300 प्रकार की कोशिकाओं में बदला जा सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इन कोशिकाओं को शरीर की किसी भी कोशिका की मरम्मत के लिए प्रयोग किया जा सकता है। यदि हमारे हृदय की कोशिकाएं, आंख की कोर्निया खराब हो जाएं तो स्टेम सेल के द्वारा इन कोशिकाओं को विकसित करके प्रत्यारोपित किया जा सकता है। मानव की विभिन्न बीमारियों का इलाज स्टेम सेल के द्वारा किया जा सकता है। कैंसर जैसी बीमारी का इलाज स्टेम सेल के द्वारा संभव है। इस चिकित्सा की शुरूआत रक्त बनाने वाले ऊतकों से हुई थी। स्टेम सेल मानव भ्रूण व प्लेसेन्टा में पाई जाती है। यदि स्टेम सेल को जन्म के समय सुरक्षित रख लें,तो वयस्क स्टेम सेल लगभग 30 वर्षों तक सुरक्षित रहती है।

आज के जागरूक माता–पिता को अपने बच्चों की स्टेम सेल को सुरक्षित रखवाना चाहिए जिससे उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

श्रीमती शशि निगम
प्रवक्ता

क्रीड़ा जगत

निर्मला कॉन्वेन्ट हमेशा से अंतर्विद्यालयी खेल कूद प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़ कर भाग लेता रहा है। इस वर्ष की प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार से है–

1) ऋषभ सरावगी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा जिला स्तरीय खेलकूद 2015 जो कि 1 से 5 सितम्बर के मध्य आयोजित किए गए थे, इनमे हमारे विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया एवं विजयी रहे। परिणाम इस प्रकार से हैं–

बॉलीबॉल जूनियर व सीनियर में	– स्वर्ण पदक
बास्केटबॉल सीनियर में	– रजत पदक
डिस्कस थ्रो में लक्ष्मी	– प्रथम
साक्षी	– द्वितीय
ओशीन	– तृतीय
गोला फेंक में संध्या	– द्वितीय

2) दिनांक 9–8–15 को एस॰आर॰ ग्रुप द्वारा आयोजित ओलम्पिक 2015 में बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। परिणाम इस प्रकार रहे––

बॉलीबॉल – प्रथम बास्केटबॉल – प्रथम रस्सा खींच – द्वितीय

3) जिला विद्यालयी स्तर खेलकूद का आयोजन किया गया, जिसके मण्डल स्तरीय खेल ललितपुर में आयोजित किए गए। हमारे विद्यालय ने खो खो में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मण्डल स्तरीय बास्केटबॉल जो कि रघुराज सिंह इण्टरकॉलेज झाँसी में आयोजित की गई, में हमारे विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की टीम को राज्य स्तर के लिए चुना गया।

एस॰पी॰आई॰ इण्टर कॉलेज झांसी में आयोजित बॉलीबॉल प्रतियोगिता में हमारी टीम का चयन राज्य स्तर के लिए किया गया।

4) राज्य स्तरीय खेल नगर निगम महिला इण्टर कॉलेज कानपुर में दिनांक 2–11–15 को आयोजित किए गए। हमारी टीम ने इसमें अच्छा प्रदर्शन किया।

4–11–15 को श्री भीमराव स्टेडियम फैजाबाद में बॉलीबॉल का आयोजन हुआ। हमारी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया एवं आकांक्षा का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हो गया।

चुटकुले

- मां-बेटा अब तो उठ जा देख सूरज भी निकल आया। बेटा-लेकिन मां वह सोता भी तो हमसे पहले है।
- संदीप-यार आज मेरा वजन दो किलो कम हो गया। प्रदीप-जरूर आज तुम नहाए होगे।
- राहगीर-तुम भीख क्यों मांगते हो? यह बुरा काम है। भिखारी-क्या आपने कभी भीख मांगी है? राहगीर- नहीं। भिखारी-फिर आपको कैसे पता कि यह बुरा कार्य है?
- ग्राहक- सेठ जी कोई चूहे मारने वाली दवा दीजिए। दुकानदार- घर ले जानी है क्या? ग्राहक- आप क्या समझे कि मैं चूहे साथ लेकर आया था।

अराइश, 7A

अखबार के पन्नों से ....

7 अमर उजाला

निर्मला कांवेंट का रहा दबदबा

जिला स्कूल गेम्स 2015 के तहत हुईं विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं

अमर उजाला अपना झांसी — झांसी | सोमवार | 18 मई 2015

इंटर में प्रशांत व हाईस्कूल में श्वेता ने किया टॉप

यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटर के परिणाम घोषित, हाईस्कूल में 78.47 प्रतिशत विद्यार्थी रहे सफल, इंटरमीडिएट में 92.99 फीसदी हुए उत्तीर्ण

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के परिणाम रविवार को आए, जिसमें जिले के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन रहा। हाईस्कूल में 78.47 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने सफलता का दामन चूमा, तो इंटरमीडिएट में 92.99 फीसदी उत्तीर्ण हुए। इंटरमीडिएट की परीक्षा में बरुआसागर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज के छात्र प्रशांत समाधिया ने जिले में टॉप किया। वहीं हाईस्कूल में निर्मला कान्वेंट गर्ल्स इंटर कालेज की छात्रा श्वेता सिंह ने जिला टॉप किया।

मुंशी की बेटी ने हाईस्कूल में किया जिला टॉप

झांसी। 'उठ बांध कमर क्या डरता है, फिर देख खुदा क्या करता है' यह बात हाईस्कूल की परीक्षा में 91.83 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में टॉप करने वाली निर्मला कान्वेंट गर्ल्स इंटर कालेज की छात्रा श्वेता पर एकदम फिट बैठती है, जिन्होंने परिवार में साधनों की कमी के बाद भी इतिहास रच दिया।

ईसाई टोला निवासी समरेंद्र सिंह एक प्राइवेट फर्म में मुंशी हैं। महीने में उन्हें बमुश्किल सात - आठ हजार

हाईस्कूल में जिले में प्रथम रही निमर्ला कांवेंट की श्वेता।

झाँसी : शपथ ग्रहण करतीं शिक्षिकाएं व छात्राएं। – जागरण

पर्यावरण संरक्षण के लिए बढ़ाने होंगे क़दम

- निर्मला कॉन्वेण्ट की छात्राओं ने लिया साइकिल का उपयोग करने का संकल्प

झाँसी : दैनिक जागरण के आह्वान पर ज़िला जन कल्याण महासमिति के तत्वावधान में ईंधन बचाओ-पर्यावरण बचाओ व स्वच्छ-स्वस्थ-सुरक्षित झाँसी अभियान के अन्तर्गत आज निर्मला कॉन्वेण्ट इण्टर कॉलिज प्रेमनगर में कार्यक्रम आयोजित कर

महासमिति के केन्द्रीय अ... अभियान संयोजक जितेन्द्र...

प्रमाण पत्र के साथ छात्राएं

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। प्राचार्या सिस्टर पूनम ने अभियान से जुड़ते हुए कहा कि विद्यालय इसका ध्यान रखेगा कि सप्ताह में एक दिन स्टाफ व छात्राएं साइकिल से विद्यालय आकर पर्यावरण बचाने में अपना योगदान दें। उन्होंने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का भी आह्वान किया। दैनिक जागरण की ओर से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सहयोग करने वाली छात्राओं को वरिष्ठ शिक्षक गुरजीत सिंह ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित

छात्राओं ने मोहा मन

झांसी। निर्मला कान्वेंट गर्ल्स इंटर कालेज में वार्षिकोत्सव न्यायी जीवन का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने मन मोहक नृत्य एवं मदर मेरी वार्ड के आदर्शों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नृत्य अंतर्द्वंद्व रहा, जिसमें अन्याय पर न्यास की जीत नन्हीं मुन्हीं छात्राओं ने पेश की। इसके अलावा जय हो एवं दिल है अर्पित को भी दर्शकों ने सराहा। छात्राओं के मार्चपास्ट एवं पीटी अग्नि उड़ान तथा महानता के सोपान ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस मौके पर विभिन्न खेलकूद भी प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात विजेता दल को मुख्य अतिथि नगर विधायक रवि शर्मा ने ट्राफी प्रदान की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि बिशप पीटर [illegible] रहे।

वर्ग के फाइनल में सीकेसी स्कूल ने शीयरवुड कालेज 31 - 25 से हराया। बालिका वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल ने शीयरवुड को 31-21 से हराया। बास्केटबाल प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में निर्मला कान्वेंट गर्ल्स कालेज ने आर्मी पब्लिक स्कूल को 05 - 03 से हराया। रस्सा कसी प्रतियोगिता के जूनियर व सीनियर के बालक वर्ग में शीयरवुड विजेता रही। इसी खेल में बालिका वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल ने शीयरवुड को हराया। जूनियर खो खो बालिका वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल ने शीयरवड को तथा सीनियर

खो-खो

वॉलीबॉल जूनियर व सीनियर वर्ग में निर्मला कॉन्वेण्ट, कबड्डी जूनियर व सीनियर वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल झाँसी की टीम विजयी

भावना जोशी व हाइ जम्प में आर्मी पब्लिक स्कूल की अंशी मोगिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अण्डर-16 बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में शियरवुड कॉलिज की अनन्या सिंह, 200 मीटर दौड़ में आर्मी पब्लिक स्कूल की विशाखा त्रिपाठी, लौंग जम्प में सोनम सिंह, शॉटपुट [illegible] अंजलि, डिस्कस थ्रो में निर्मला कॉन्वेन्ट की लक्ष्मी देवी व हाइ जम्प में सेण्ट फ्रांसिस कॉलिज की देबजानी पहले स्थान [illegible] अण्डर-19 बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में

"आरक्षण कितना उचित कितना अनुचित"

"माना कि 30 प्रतिशत सीटें हर जगह आरक्षित हैं किन्तु 70 प्रतिशत सीटें सामान्य वर्ग के लिये छोड़ भी तो दी हैं,क्या उनमें इतना दम नहीं कि वे उनपर अधिकार कर लें ।"

"जब एक छात्र 70–80 प्रतिशत अंक लाता है और उसका चयन नहीं होता और वहीं 30–35प्रतिशत अंक लाने वाला छात्र चुन लिया जाता है। यह कहां का न्याय है?"

" जो नेता आरक्षण के पक्षधर हैं वे ही जब बीमार पड़ते हैं तो विदेश में जाकर इलाज करवाते हैं। वे उन डॉक्टरों से इलाज क्यों नहीं करवाते जो निम्न अंक लाकर अनुसूचित जाति से होने के कारण सेलेक्ट होकर डॉक्टर बन गए हैं?"

"सामान्य वर्ग यह क्यों चाहता है कि मोची का बच्चा जूते ही गाँठे और नाई का बच्चा बाल ही काटे? उन बच्चों को आगे बढ़ने का हक नहीं है क्या?"

इस प्रकार अपने प्रतिपक्षी को तर्कों द्वारा परास्त करती हुई यह छात्राएं वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग ले रही थीं। सभी प्रतिभागियों का जोश देखने लायक था। निर्णायकों को विजेताओं की घोषणा करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ब्लू ग्रुप की निधि पक्ष में एवं पूर्वा विपक्ष में प्रथम रहीं। ग्रीन ग्रुप की साक्षी विपक्ष में एवं पक्ष में ऋतु पटेरिया द्वितीय स्थान पर रहीं। अन्त में सि॰ पूनम ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आरक्षण एक ऐसा विवादास्पद विषय है जिसका निर्णय ईश्वर ही कर सकते हैं।

प्रेम की राह न भूल मुसाफिर

सुन्दर साड़ियों में सुसज्जित 12वीं की छात्राएं, हँसी–खुशी आँसू–मुसकान लाल और सफेद रंग योजना में सजा हॉल। नृत्य गीत, हास्य नाटिका और मनोरंजक खेल। यह दृष्य है 2016 के कक्षा 12 के विदाई समारोह के। इस बार कार्यक्रम की थीम थी 'प्रेम की राह न भूल मुसाफिर।' सर्वप्रथम नीलम मिस ने प्रेम पर आधारित प्रार्थना सभा से कार्यक्रम की शुरूआत की। सिस्टर पूनम ने ईश्वरीय प्रेम का परिचय दिया। आनन्द सर ने मित्र के प्रेम को व कन्हैया सर ने पिता के प्रेम को दर्शाया। रेखा भार्गव मिस ने भाई बहन के प्रेम व सुनीता मिस ने माँ के प्रेम का मर्म समझाया।

विद्यालय प्रांगण में वसंत की गुनगुनी धूप में छात्राएं टीचर्स के साथ फोटो लेने में व्यस्त थी वे कैमरे में एक–एक पल को कैद कर लेना चाहती थीं। लगता था आज घर जाने की जल्दी भी नहीं है। वे चाह रही थी कि वक्त यहीं थम जाये। सिस्टर पूनम ने छात्राओं के इस दिन को विशिष्ट बनाने का भरपूर प्रयास किया। वास्तव में यह दिन अविस्मरणीय यादें छोड़ गया।

प्रियंका श्रीवास
3 बी

माँ

माँ तू कितनी अच्छी है, मेरा सबकुछ करती है।
भूख हमें जब लगती है, खाना हमें खिलाती है।
जब मैं गन्दी हो जाती हूँ, खूब मुझे नहलाती हैं।
जब मैं रोने लगती हूँ, चुप तू मुझे कराती है।

मेरी यात्रा बस यहीं तक

निर्मला कॉन्वेंट में मेरी यात्रा एक छोटी सी बालिका के रूप में शुरू हुई। जिसने इसी प्रांगण में शिक्षा ग्रहण की व इसी विद्यालय में 1976 जुलाई में शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया। तब से आज तक हर सुबह मन में एक नई उमंग, दिल में विश्वास तथा तन में अटूट शक्ति लिए निरन्तर शिक्षण कार्य कर ही हूँ।

बालिकाओं को पढ़ाना जैसे मेरे लिए जुनून बन गया। उनके जीवन को सजाना, संवारना, नैतिक मूल्यों से अलंकृत करना उन्हें एक निस्वार्थी मार्ग दर्शिका की भांति सही पथ पर ले चलना, मेरे जीवन की संतुष्टि व जीने का मकसद बन गया। बच्चों के साथ मेरी शैक्षिक यात्रा बस यहीं तक थी।

अथक ये दौड़ जिन्दगी की, जो भी दौड़ता गया। समय की रेत पर निशान, वो ही छोड़ता गया ॥
फिसल रही है मुठ्यिों से रेत, धीरे-धीरे ज्यूँ। हर एक पल भी यूँ, हमारा साथ छोड़ता गया ॥
मुझे नहीं शिकायमतें, हर एक शख्स से सुनों। मुसीबतों में मुझसे, जो मुहँ अपना मोड़ता गया ॥
मेरी तमाम जिन्दगी, उसी के नाम दर्ज है। जो दिल से दिल की बात को, जोड़ता गया ॥
चलें चलों अंधेरों में, मशाले अपने साथ ले। जो उर गया अंधेरों से, वो यूँ ही हारता गया ॥

—प्रमिला वाजपेयी, प्रवक्ता

याद आयेंगे वह सुनहरे पल

मुझे हमेशा याद आयेंगे वह सुनहरे पल जों मैने इस विद्यालय में शिक्षण कार्य करते हुए बितायें, मेरा बचपन से अध्यापिका बनने का ही सपना था, इसलिए मैंने जब इस विद्यालय में शिक्षिका के रूप में पहला कदम रखा तो मेरा मन बहुत ही उत्साह व उमंग से भर गया था क्योंकि इस ही विद्यालय में मैंने भी शिक्षा प्राप्त की है और यहाँ बच्चों को शिक्षा प्रदान करना मेरे लिए बहुत ही गौरव की बात है, यहाँ पर मैंने अपने जीवन के अनमोल तीस वर्ष व्यतीत किए। इन तीस वर्षो में मेरे सुख–दुख में यह विद्यालय परिवार सहयोगी रहा तथा यहां बिताया मेरा प्रत्येक पल मेरे लिए बहुत ही अनमोल व शिक्षा प्रद रहा। हमारे विद्यालय की प्रत्येक प्रधानाचार्या व प्रत्येक शिक्षिका ने एक परिवार के समान अपना सहयोग व प्यार प्रदान किया जिसे मैं कभी भी नहीं भूल सकूँगी, इसके लिए मैं उन्हें बहुत–बहुत धन्यवाद व प्यार प्रदान करती हूँ तथा अपनी सभी कक्षाओं की छात्राओं का प्यार तथा सहयोग मुझे हमेशा उनकी याद दिलाता रहेगा। इस विद्यालय में कार्य करते हुए मुझे अपना घर जैसा सुकून प्राप्त होता रहा है, और आज यहाँ से विदा लेते हुए इस प्रकार का दुःख अनुभव हो रहा है जैसे कि कोई अपना घर छोड़कर कहीं दूर जा रहा हो। मेरे प्यारे बच्चों जब तुम मेहनत करके पास होते हो तो मुझे ऐसा महसूस होता कि मेरी मेहनत सफल हो गयी, मैं हमेशा अपने विद्यालय को अपनी यादों में बसाएं रखूँगी, कभी भूल नहीं पाऊँगी वह सुनहरे पल, जो मैने इस विद्यालय में बिताएं।

याद न जाये बीते दिनों की
जाके न आये वो दिन
अनमोल पलों की
उन्हें दिल न भुलायें
उन्हें दिल कैसे भुलायें

धन्यवाद !

श्रीमती निर्मला सिंह

परीक्षा

संध्या श्रीवास्तव, 11 B

श्यामू अपने परिवार के साथ दौलतपुर गाँव में रहता था। वह बहुत ईमानदार परिश्रमी एवं दयालु था। वह अपने बेटे व पत्नी के साथ झोपड़ी में रहता था। वह बेटे को अपने जैसा सच्चा इंसान बनाना चाहता था। वह प्रतिदिन उसे ज्ञान का एक पाठ जरूर पढ़ाता। श्यामू पास के जंगल में लकड़ी काटने जाता। कटी हुई लकड़ियों को बाजार में बेचता, जो पैसे मिलते उसी से परिवार चलाता।

एक दिन वह जंगल में लकड़ी काट रहा था। उस राज्य के राजा जंगल की जांच करने आए थे। उन्होने श्यामू को देखा और सोचने लगे कि यह व्यक्ति इतना परिश्रम करके कितना धन कमाता होगा। उन्होने श्यामू को अपने पास बुलाया और कहा, ''तुम इतना पसीना बहाते हो परन्तु तुम्हें धन कितना मिलता है?'' ''श्यामू ने कहा'' मुझे इतना धन मिल जाता है जिससे मेरे परिवार का खर्च चल जाता है। ''राजा को उसकी बात बहुत पसंद आई। उन्होने कहा, ''मेरे दरबार में तुम जैसे परिश्रमी व्यक्ति की बहुत जरूरत है। तुम मेरे यहां काम करो मै तुम्हे अधिक धन दूंगा।'' श्यामू ने कहा कि मैं अपने परिश्रम से कमाए धन से संतुष्ट हूँ। मुझे आपकी दया नहीं चाहिए।'' यह कहकर वह वहां से चला गया। राजा को उसकी बात से ठेस पहुंची।

अगले दिन श्यामू जब जंगल गया, राजा के दरबारी ने उसकी झोपड़ी के आगे पैसें से भरी पोटली रख दी। श्यामू की पत्नी को इतना धन देख कर लालच आ गया। वह पोटली लेकर अंदर चली गई। शाम को जब श्यामू घर पहुंचा तो उसने देखा कि पत्नी बहुत खुश है। वह पकवान बना रही थी। वह श्यामू से बोली,''देखो, मुझे ये पैसे घर के बाहर से मिले हैं। ''श्यामू यह देख कर हैरान हो गया। उसने पत्नी को समझाया कि यह किसी और का धन है। हम इसे नहीं रख सकते। हमें पाप लगेगा। श्यामू ने पैसे की पोटली घर के बाहर रख दी। राजा श्यामू की ईमानदारी से बहुत प्रसन्न हुआ। यह सब उसी की योजना थी, श्यामू की ईमानदारी परखने की। राजा ने श्यामू को बुलवाया और कहा, ''मैं इनाम के तौर पर तुमको नहीं पर तुम्हारे बेटे को कुछ देना चाहूंगा। मै तुम्हारे पुत्र की शिक्षा का पूरा खर्च उठाऊँगा। ''श्यामू को राजा का अनुरोध स्वीकार करना पड़ा और उसका बेटा अच्छे विद्यालय में जाने लगा।

आज़ादी का हक

हक है सबको आजादी का,
मनुष्य हो या पक्षी।
हो आशा मन में आजादी की,
न रहे कोई बनके बंदी।
हक है सबको आजादी का,
मनुष्य हो या पक्षी।
न हो डर किसी के मन में,
हों खड़े सब आजादी की जंग में,
लेकर हाथों में हाथ,
मिलेगी आजादी एक दूसरे के साथ।
हक है सबको आजादी का,
मनुष्य हो या पक्षी।

इकरा खान
7C

मुझे बढ़ने दो

बढ़ना है मुझे बढ़ने दो,
पंख लगा कर उड़ने दो।
बंदिशों को तोड़ दो,
मेरा रास्ता छोड़ दो,
सोच को नया मोड़ दो।
बढ़ना है मुझे बढ़ने दो,
पंख लगा कर उड़ने दो।
मुझे जीने का अधिकार दो,
बेटे की तरह मुझे भी प्यार दो,
डांट और फटकार न दो।
बढ़ना है मुझे बढ़ने दो,
पंख लगा कर उड़ने दो।

लक्ष्मी देवी
12 B

एक संदेश

रीना चक्रवर्ती, प्रवक्ता अंग्रेजी

तीन यात्री एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रहे थे। उनके कंधों पर दो थैले थे, एक आगे और एक पीछे। तीनों में एक काफी उत्साहित प्रतीत हो रहा था। दूसरा व्यक्ति थका हुआ था, लेकिन चेहरे पर आशा की किरण थी, जबकि तीसरे व्यक्ति का चेहरा मुरझाया हुआ था। तीनों एक दूसरे को अपना परिचय देने लगे कि वे क्या करते हैं ? कहां जा रहे हैं? उनके थैले में क्या है? पहले वाले ने बताया कि उसने पीछे वाले थैले में दोस्तों और संबंधियों की अच्छाइयां भरी हैं और आगे के झोले में बुराइयां। दूसरे व्यक्ति ने आगे बुराइयां और पीछे अच्छाइयां भरी थीं। आगे अच्छाइयां देख कर वह खुश होता था। तीसरे यात्री का आगे का झोला बहुत भरा हुआ था और पीछे का हल्का। पूछने पर उसने मुस्कुराते हुए कहा कि उसने भी अच्छाइयों की झोली आगे व बुराइयों की पीछे रखी है लेकिन पीछे की थैली में एक छोटा छेद है जिससे बुराइयां स्थिर नहीं रहतीं? गिरती रहती हैं। इस तरह थैले का भार हल्का होता जाता है। वह व्यक्ति सदा उत्साहित रहता था। जिस व्यक्ति ने आगे के थैले में अच्छाइयां और पीछे बुराइयां रखी थीं, वह प्रसन्न रहता था क्यों कि चलते समय उसकी निगाह अच्छाइयों पर रहती थी और बुराइयों को भूला रहता था। जिस व्यक्ति ने बुराइयों को आगे रखा था वह सदैव दुःखी व अप्रसन्न रहता था।

तात्पर्य यह है कि यदि हम सदैव दूसरों की बुराइयां देखेंगे तो खुश नहीं रहेंगे क्यों कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई अच्छाई अवश्य होती है, उसकी प्रशंसा करें और बुराइयों को भूल जाएं। यही बेहतर इंसान बनने का तरीका है।

पिंजड़े का पंछी

नंदिनी सिंह राजपूत, 7 C

बहुत पुरानी बात है। एक व्यक्ति ने एक तोता पाला। तोता बहुत समझदार था। जो जैसा बोलता वह उसकी वैसी ही नकल उतार देता। वह अपने मालिक से बहुत प्रेम करता था। एक दिन वह अपने पिंजड़े में बैठा मजे से मिर्च खा रहा था। तभी आसमान से एक दूसरा तोता आ कर उसके पास बैठ गया, और बोला ''तुम कितने बदनसीब हो, जो तुम्हें इस पिंजड़े में कैद रहना पड़ रहा है, मुझे देखो मैं खुले आसमान में अपने पंख फैला कर उड़ता हूँ। मैं जहां जाना चाहता हूँ वहां जा सकता हूँ। तुम कहीं भी नहीं जा सकते। पिंजड़े में बंद तोता बोला, ''मुझे तो नहीं लगता मैं बदनसीब हूँ, मेरे मालिक तो मुझे बहुत अच्छा खाना देते हैं। मेरा बड़ा ख्याल रखते हैं। ''दूसरा तोता बोला,'' अरे मैं तुम्हे कैसे समझाऊँ, तुम स्वतन्त्र नहीं हो। हम पंछियों को किसी की कैद में नहीं बल्कि खुले आसमान में होना चाहिए। तुम तो गुलाम हो, जो जैसा कहता है तुम वैसा ही करते हो। ''पिंजड़े में कैद तोता बोला,'' मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा, तुम क्या कहना चाह रहे हो।'' दूसरा तोता बोला,'' मै तुमसे कल फिर यहीं मिलूंगा, और समझाऊँगा। जैसा जैसा मैं बोलूं वैसा वैसा करना। अगले दिन वह तोता फिर पिंजड़े में कैद तोते से मिलने आया। उसने कहा, ''तुमसे कोई भी कुछ बोलने के लिए कहे, तुम मत बोलना, चाहे वह तुम्हारा मालिक ही क्यों न हो।'' थोड़ी देर बाद मालिक का बेटा वहां आया। वह उस तोते से बोलने के लिए कह रहा था किन्तु तोता कुछ न बोला। मालिक के बेटे को गुस्सा आया। उसने पिंजड़े को जमीन पर पटक दिया। गिरने से पिंजड़े का दरवाजा खुल गया। पंछी आजाद हो गया। जब वह आसमान में पंख फैला कर उड़ा, गहरी घाटियां, ऊँचे पर्वत और घने जंगल देखे उसे स्वतंत्रता का अर्थ समझ में आ गया।

नए मेहमान

ऋतु वर्मा, 11B

हमारी सि॰ पूनम ने बताया कि हमारे बीच यूरोप से कुछ मेहमान मिलने के लिए आएंगे। हमारे मन में जिज्ञासा थी कि कब वे विद्यालय में आएं और हम सभी उनसे मिलें। दिनांक 18–12–15 को वे युवक एवं युवतियां हमसे मिलने आए। मैंने और कई अन्य छात्राओं ने उनसे बहुत बातें कीं उनमें अन्ना मैम, मिस अलीना, मिस कैटरीना तथा पांच अन्य युवक थे। उन लोगों ने भी हमसे ढेर सारे प्रश्न किए तथा हमारे प्रश्नों का जवाब दिया। हमारे साथ फादर रिनॉय भी थे।

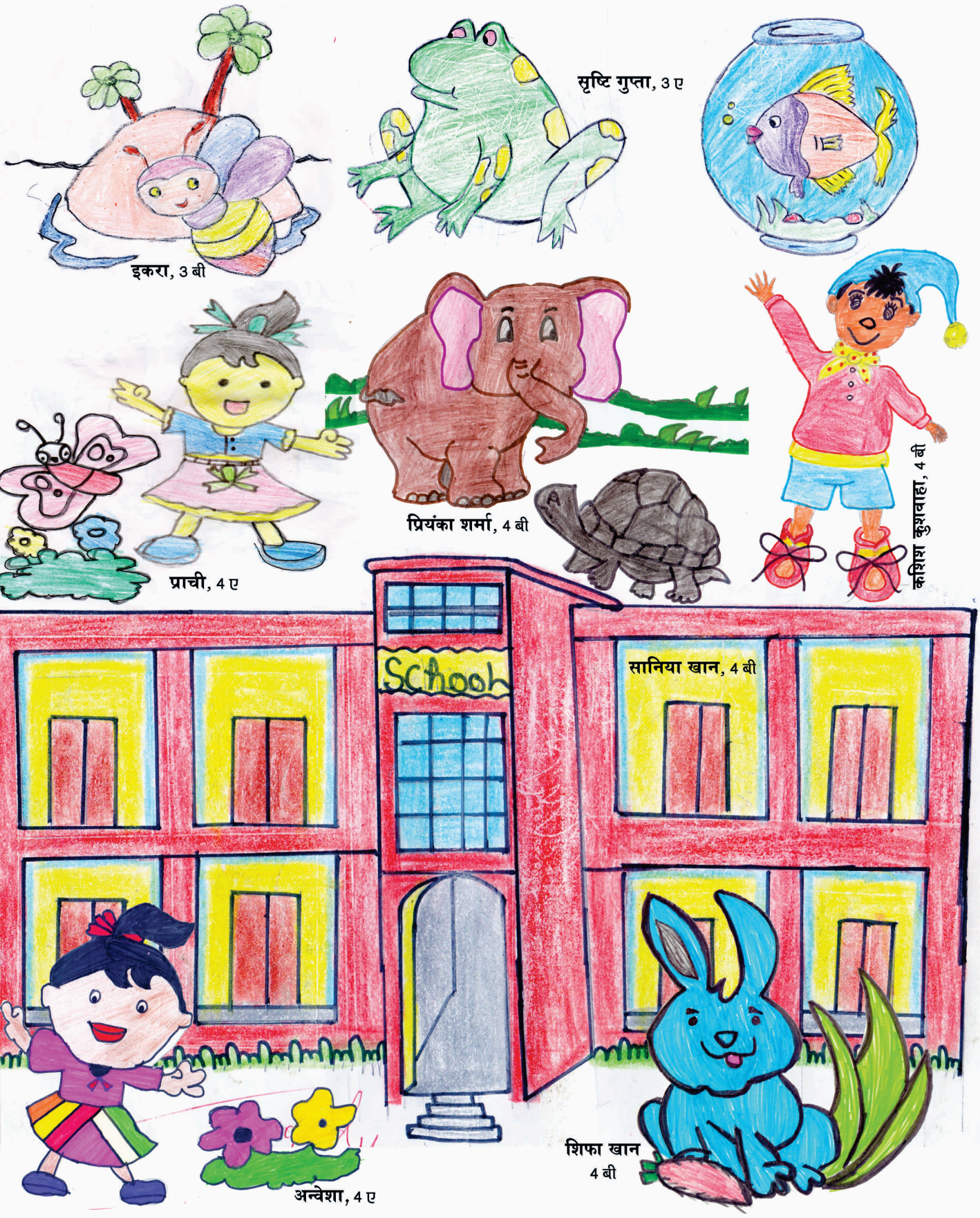

इकरा, 3 बी

सृष्टि गुप्ता, 3 ए

प्राची, 4 ए

प्रियंका शर्मा, 4 बी

कशिश कुशवाहा, 4 बी

सानिया खान, 4 बी

अन्वेशा, 4 ए

शिफा खान
4 बी